सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 287 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 25 नवम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

अगर आपके अन्दर बस एक मुस्कान बची है तो उसे उन्हें दीजिये जिनसे आप प्रेम करते हैं।
-माया एंजिलो

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल... 7 | बीजेपी देश का माहौल खराब कर... 3 | महिला आरक्षण में एससी, एसटी... 2

राजस्थान में उमड़े वोटर जमकर हुआ मतदान

- ईवीएम मशीन में बंद होगी नेताओं की किस्मत
- कांग्रेस व बीजेपी ने किये अपनी-अपनी जीत के दावे
- गहलोत व पायलट बोले- वापसी कर रही कांग्रेस सरकार
- वसुंधरा व शेखावत ने कहा- अबकि बार भाजपा सरकार
- सभी दिग्गजों ने टेके धार्मिक स्थलों पर मत्थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की 200 विधानसभा सीटों में से 199 पर मतदान हो रहा है। सुबह धीरे-धीरे शुरू हुई वोटिंग दोपहर आते-आते तेज हो गई। छिटपुट घटनाओं के बीच जमकर मतदान हुआ। राज्य के सभी दिग्गज नेताओं ने वोट डाले।

सीएम अशोक गहलोत ने अपने पैतृक गांव में मताधिकार प्रयोग किया तो भाजपा की दिग्गज नेता वसुंधरा राजे ने पूजा-अर्चना करने के बाद वोट डाला। कांग्रेस नेता सचिन पायलट, केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यवर्धन राठौड़ समेम राज्य के कांग्रेस व बीजेपी के सभी बड़े नेताओं ने वोट डाले। उधर बीजेपी और कांग्रेस नेता अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। दोपहर 1 बजे तक 40.27 प्रतिशत मतदान हुआ है।

चूरू में भिड़े कांग्रेस-भाजपा समर्थक

चुनाव के दौरान चुरू में एक मतदान केंद्र झड़प हो गई। इसको लेकर एक पोलिंग एजेंट ने आरोप लगाया है कि वहां 4-5 लोगों ने उन पर हमला किया, जिसमें उन्हें चोटें आई हैं। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और अलवर समेत कई शहरों में सुबह से ही लंबी कतारें लगी दिखाई दे रही हैं।

घबरा गई है बीजेपी फिर बनेगी कांग्रेस सरकार : गहलोत

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने जोधपुर की सरदारपुरा विधानसभा सीट पर वोट डालने के बाद कहा कि पूरा मामला अंडर करंट चल रहा है, हमने जो गारंटी दी थी जो कानून बनाए थी, जो स्कीमें थी उस पर मुहर लगेगी। इस पर सवाल पूछे जाने पर कि वसुंधरा राजे ने वोट डालने से पहले पूजा की तो उन्होंने कहा, पूजा पाठ तो सभी करते हैं लेकिन जो माहौल है उसके आधार पर कह सकता हूं कि सरकार हमारी बनेगी। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। अपने पिता सीएम अशोक गहलोत के साथ वोट डालने पहुंचे उनके बेटे वैभव गहलोत ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार दोबारा आ रही है। यहां पर रिवाज बदल जाएगा, इसलिए ही बीजेपी घबराई हुई है। उन्होंने लाल डायरी का जिक्र कर कहा कि यह सभी मनगढ़ंत बाते हैं, उन्होंने कहा, राजस्थान की हर सीट पर कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ा जा रहा है, बीजेपी को लग गया है कि उनके हाथ से राजस्थान निकल गया है। राजस्थान मंत्री और कांग्रेस नेता प्रताप खाचरियावास ने कहा, सभी लोग काम को देखें और वोट करें। विकास के नाम पर वोट जा रहा है और सभी विकास के नाम पर पंजे का बटन दबाएंगे. लोगों को पता चले कि कांग्रेस की सरकार दोबारा आ रही है।

वोट डालें और कमल खिलाएं : वसुंधरा राजे

राजस्थान की पूर्व सीएम और दिग्गज बीजेपी नेता वसुंधरा राजे ने शनिवार (25 नवंबर 2023) को वोट डाला। वह झालावाड़ जिले से विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं, वोट डालने से पहले वह हनुमान मंदिर गईं थी और वहां पर उन्होंने पूजा अर्चना की थी। वोट डालने के बाद राजस्थान की पूर्व सीएम और बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने कहा, मेरा आग्रह सभी मतदाताओं से है, विशेषकर नए मतदाताओं को कहूंगी कि जोरदार तरीके से वोट डालें, कमल खिलाएं और देश के लिए एक बड़ा कदम उठाएं।

बीजेपी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार में आ रही है : गजेंद्र शेखावत

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने परिवार के साथ जोधपुर में वोट डाला। उन्होंने केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, बीजेपी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार में आ रही है। जनता अबकी बार मतदान करते समय जो पिछले 5 साल दुःख तकलीफ झेला है उसे ध्यान में रखकर मतदान करने वाली।

चुनें गारंटी वाली कांग्रेस सरकार : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया है, उन्होंने कहा, राजस्थान इस बार मुफ्त इलाज चुनेगा, राजस्थान इस बार सस्ता गैस सिलेंडर चुनेगा, राजस्थान ब्याज मुक्त कृषि कर्ज चुनेगा, राजस्थान अंग्रेजी शिक्षा चुनेगा, राजस्थान ओपीएस चुनेगा, राजस्थान जाति जनगणना चुनेगा। उन्होंने कहा, हर व्यक्ति को बड़ी संख्या में जा कर अपने मताधिकार इस्तेमाल करना चाहिए। जनता को हितकारी और गारंटी वाली सरकार चुननी चाहिए।

भाजपा से उबे लोग, कांग्रेस की वापसी होगी : सचिन पायलट

राजस्थान चुनाव में जारी वोटिंग के बीच सचिन पायलट ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, यहां पर मेरी कई हफ्तों से भागदौड़ जारी है इसलिए वोटिंग खत्म होने के बाद सबसे पहले सोने का काम करुंगा। राजस्थान में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि मैंने पूरा राज्य घूमा है, इस बार हम हर जगह गये हैं, हमने माहौल देखा है, बीजेपी की सरकार 10 सालों से सत्ता में है और लोग इससे ऊब भी जाते हैं, इसलिए मैं चाहता हूं कि लोग घर से बाहर निकलें और वोट डालें।

महिला आरक्षण में एससी, एसटी व ओबीसी को मिले हक : मायावती

» केंद्र की मोदी सरकार पर बरसीं बसपा प्रमुख

» बोलीं- कांग्रेस ने भी मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू नहीं की थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता अब जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) की तरह ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण देने की मांग को मानने से इनकार कर दिया था। उन्होंने हाल ही में संसद में पारित महिला आरक्षण विधेयक में एससी, एसटी और ओबीसी को अलग से आरक्षण नहीं दिए जाने के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की भी आलोचना की।

तेलंगाना के पेद्दापल्ली में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि अधिकतर पिछड़े वर्गों ने कांग्रेस से एससी-एसटी की तरह ही आरक्षण की मांग की थी जिसने आजादी के बाद लंबे समय तक देश में शासन किया। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी, ओबीसी के वोट पाने के लिए कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता अब अपनी चुनावी सभाओं में प्रचार कर रहे हैं कि जाति आधारित जनगणना कराई जानी चाहिए। मायावती ने कहा कि ये लोग (कांग्रेस) जाति जनगणना (अब) के बारे में बात कर रहे जब आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस सत्ता में थी, तो सबसे पिछड़े वर्ग के लोगों ने एससी-एसटी की तर्ज पर खुद को आरक्षण दिए जाने की मांग की थी।

बसपा के प्रयास से मिला था ओबीसी को आरक्षण

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ओबीसी समुदाय के लोगों को पता होना चाहिए कि मंडल आयोग की रिपोर्ट कांग्रेस के प्रयासों से नहीं, बल्कि बसपा के प्रयासों से तत्कालीन वीपी सिंह सरकार ने लागू की थी। मायावती ने यह दावा भी किया कि केंद्र सरकार और अधिकतर राज्य सरकारें कमजोर वर्गों को शोषण से राहत देने के लिए बने कानूनों को समुचित तरीके से लागू नहीं कर रही हैं। ओबीसी के लिए आरक्षण की सिफारिश करने वाली काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि इन्हें कांग्रेस ने लागू ही नहीं किया। बसपा नेता ने कहा कि उनकी पार्टी ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन किया था और केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर दबाव बनाया था। उन्होंने कहा कि लेकिन, सबसे पुरानी पार्टी ने रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया था।

बीआरएस सरकार दलित विरोधी : बसपा प्रमुख

बसपा प्रमुख ने राज्य इकाई के अध्यक्ष के खिलाफ दर्ज एक मामले का हवाला देते हुए तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में इसी तरह मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की हालत भी संतोषजनक नहीं लगती तथा उच्च वर्गों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की दशा 'शोचनीय है।

नीतीश व राहुल करते हैं दलितों का अपमान : मांझी

» बोले- ये इंडी गठबंधन है या दलित विरोधी संगठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संयोजक एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने राहुल गांधी पर दलितों का अपमान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने राहुल गांधी की रैली का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया और लिखा की राहुल गांधी दलितों की टिकट काटने की बात कर रहे हैं। जीतन राम मांझी ने यहीं नहीं रुके। उन्होंने एक्स पर लिखा, सदन में नीतीश जी दलितों को अपमानित करें, राहुल गांधी जी दलितों के टिकट काटने की बात करें, राजद वाले दलितों को उनका अधिकार ना दें। सदन में नीतीश जी दलितों को अपमानित करें,राहुल गांधी जी दलितों के टिकट काटने की बात करें,राजद वाले दलितों को उनका अधिकार ना दें।

भाई साहब ये इंडी गठबंधन है या दलित विरोधी संगठन? मुझे जितना अपमानित करना है कर लिजिए पर हाथ जोड़कर निवेदन है कि देश के दलितों को और बेईज्जत मत किजिए। उन्होंने आगे लिखा, भाई साहब ये इंडी गठबंधन है या दलित विरोधी संगठन? मुझे जितना अपमानित करना है कर लिजिए पर हाथ जोड़कर निवेदन है कि देश के दलितों को और बेइज्जत मत किजिए। गौरतलब है कि बीते दिनों जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार पर भी दलितों का अपमान करने का आरोप लगाया था। दरअसल, विधानसभा में नीतीश कुमार और जीतन राम मांझी के बीच नोकझोंक हुई थी। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मांझी से तू-तड़ाक से बात की थी।

सीएम ममता को दाऊद इब्राहिम जैसे लोग पसंद : निशिकांत दुबे

» महुआ मोइत्रा विवाद में ममता बनर्जी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। निशिकांत दुबे ने कहा कि अगर दाऊद इब्राहिम भी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से चुनाव लड़ता है तो मुझे लगता है कि 99 प्रतिशम संभावना है कि वह चुनाव जीत जाएगा। तो अगर ममता जी की थ्योरी सही है तो इसका मतलब ये है कि दाऊद इब्राहिम गद्दार नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने कहा है कि बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को दाऊद इब्राहिम जैसे लोग पसंद हैं, जो गद्दार हैं। उन्होंने कथित कैश फॉर क्वेरी घोटाले में पार्टी सांसद महुआ मोइत्रा का समर्थन किया था।

दुबे ने कहा कि अगर ममता जी की थ्योरी सही है, तो इसका मतलब है कि दाऊद इब्राहिम गद्दार नहीं है। हालांकि,इससे वह किसी भी तरह से राष्ट्र-विरोधी से कम नहीं हो जाएगा। उनकी टिप्पणी तब आई जब सीएम ममता ने पहली बार महुआ मोइत्रा पर कैश-फॉर-क्वेरी के आरोप पर बात की और कहा कि इससे अगले साल चुनाव में टीएमसी सांसद को मदद मिलेगी।

एलजी और केजरीवाल को सुप्रीम नसीहत

» मुख्य सचिव की नियुक्ति विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

» क्यों नहीं दोनों एक साथ बैठते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और केंद्र से कहा कि वे एक साथ बैठें और राष्ट्रीय राजधानी के मुख्य सचिव के लिए उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग पर चर्चा करें। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने दोनों पक्षों से मंगलवार को केंद्र सरकार द्वारा शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के नाम उपलब्ध कराने से पहले एक-दूसरे के साथ साझा करने को कहा। शीर्ष अदालत ने मौजूदा दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार का कार्यकाल बढ़ाने या एक नया अधिकारी नियुक्त करने के केंद्र के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बयान दिया।

आज की सुनवाई के दौरान पीठ ने केंद्र सरकार से तीन नामों की एक सूची की सिफारिश करने को कहा और दिल्ली सरकार उस सूची में से एक विकल्प चुनेगी। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा केंद्र सरकार के साथ चर्चा के बाद तीन नाम साझा किए जाएंगे। हमें (एक) व्यावहारिक समाधान दीजिए। सरकार को अदालत जाने की आवश्यकता के बिना काम करना चाहिए। हमें कोई रास्ता दीजिए। एक विकल्प यह हो सकता है कि हमें तीन नाम दिए जाएं। पीठ ने पूछा, एलजी (वीके सक्सेना) और सीएम (दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल) क्यों नहीं मिलते और दिल्ली मुख्य सचिव विवाद पर फैसला नहीं लेते?

उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक डोमेन में साझा न किए जाएं : साल्वे

सक्सेना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे शीर्ष अदालत के सुझाव से सहमत हुए लेकिन अनुरोध किया कि उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक डोमेन में साझा नहीं किए जाने चाहिए। साल्वे के अनुरोध पर सहमति जताते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, आप नाम का खुलासा नहीं कर सकते क्योंकि इससे उस व्यक्ति की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान होता है जिसका चयन नहीं हुआ है। सुनवाई के दौरान केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि अधिकारियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जाता है, जिस पर वरिष्ठ वकील सिंघवी ने कहा कि वे मेरी बात बिल्कुल नहीं सुनते। एसजी मेहता ने सिंघवी से कहा, सम्मान अर्जित किया जाता है।

पांचों राज्यों में हारेगी भाजपा : अखिलेश

» बोले- बुनियादी मुद्दों से भटका रही मोदी सरकार

» सहाराश्री की शांति पाठ में शामिल हुए सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार होगी और मध्य प्रदेश में सपा का वोट प्रतिशत बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारा जो एक विधायक है वो जीतेगा और मध्य प्रदेश में जहां-जहां हमने प्रचार किया है वहां सपा का वोट प्रतिशत बढ़ेगा। अखिलेश ने 5 राज्यों (राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम) के चुनाव पर कहा, मुझे उम्मीद है कि इन प्रदेशों में भाजपा बुरी तरह हारेगी...मध्य प्रदेश में जहां-जहां सपा ने प्रचार किया है वहां हमारा वोट प्रतिशत बढ़ेगा।

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव नतीजे तीन दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। उन्होंने मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा वह सिर्फ धर्म के नाम पर लोगों को बांटना चाहती है। आम मुद्दों से भटका कर जनता को भ्रमित करती है। लेकिन इसबार जनता से भाजपा को हटाने का मन बना लिया है। सहारा इंडिया परिवार के संस्थापक सहाराश्री सुब्रत रॉय के शांति पाठ का आयोजन शुक्रवार को सहारा शहर में किया गया। इस दौरान आम से लेकर खास ने सहाराश्री को याद किया। इस दौरान यूपी के पूर्व सीएम व सपा प्रमुख अखिलेश यादव , पूर्व क्रिकेटर कपिल देव सहारा शहर पहुंचे और सुब्रत रॉय को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, मंत्री जितिन प्रसाद, राकेश सचान, जेपीएस राठौर, बेबी रानी मौर्या, दयांशंकर सिंह, राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, जया बच्चन, डा. दिनेश शर्मा, सांसद डिंपल यादव, पूर्व सांसद राज बब्बर, प्रसिद्ध रंगकर्मी नादिरा बब्बर, पूर्व मंत्री डा. महेन्द्र सिंह, अरविंद सिंह गोप, किसान नेता राकेश टिकैत, अभिनेता शत्रुध्न सिन्हा की पत्नी पूनम, अभिनेता राजपाल यादव, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद व विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह समेत अन्य लोगों ने भी सहारा शहर पहुंचकर सुब्रत रॉय को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

सपा के पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव पर विजिलेंस ने दर्ज किया केस

बहराइच की पयागपुर सीट से कांग्रेस विधायक रह चुके मुकेश कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ विजिलेंस ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज किया है। विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर ने मुकेश श्रीवास्तव की संपत्तियों की खुली जांच में आरोप सही पाए जाने पर शासन ने मुकदमा दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। बता दें कि मुकेश श्रीवास्तव वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान सपा में शामिल हो गए थे, हालांकि उनको चुनाव में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। बता दें कि शासन ने पूर्व विधायक के खिलाफ वर्ष 2021 में विजिलेंस को खुली जांच करने का आदेश दिया था। विजिलेंस ने मुकेश श्रीवास्तव की संपत्तियों की जांच कर अपनी अंतिम रिपोर्ट 12 अक्टूबर 2022 को शासन को सौंपी थी।

तेलंगाना में चुनावी चौसर तैयार

सियासी दलों ने तेज किए प्रचार

धर्म और मंदिर के सहारे बीजेपी

» कांग्रेस व बीआरएस में सीधी टक्कर

» भाजपा भी लड़ाई में आने को आतुर

» केसीआर को घेरे रही है बीजेपी व राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। 25 नवंबर में राजस्थान में वोट पड़ने के बाद दक्षिणी राज्य तेलंगाना में सियासी पारा चढ़ेगा। 30 नवंबर को वहां पर वोटिंग होगी। सभी सियासी दलों प्रचार के लिए ताकत झोंक दी है। वहां पर मुख्य टक्का बीआरएस व कांग्रेस में दिख रही है। कहीं-क हीं पर भाजपा भी लड़ाई में दिख जा रही है। इसबार का तेलंगाना चुनाव दिलचस्प होता जा रहा है। यहां तीनों बड़े दलों ने जीत के लिए पूरा जोर लगा दिया है। वोटरों को लुभाने के लिए मेनिफेस्टो में जाति और धर्म का फैक्टर भी दिख रहा है। राज्य में मतदान के लिए 6 दिन बचे हैं। यहां सभी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इस चुनावी मैदान में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), कांग्रेस और बीजेपी तीन अहम खिलाड़ी हैं। तीनों ही पार्टियां तेलंगाना के लिए अपना मेनिफेस्टो जारी कर चुकी हैं। कोई धर्म के सहारे वोटर को लुभाने में लगा है तो किसी ने जाति का मुद्दा उठाकर मतदाता को साधने का प्लान बनाया है। देखना ये है कि वोटर किस मेनिफेस्टो को तरजीह देते हुए मतदान करेगा। फिलहाल नतीजों से हटकर देखें तो तीनों ही दल अपने-अपने मेनिफेस्टो को बेहतर बता रहे हैं और जनता के भारी समर्थन का दावा कर रहे हैं।

बीजेपी ने अपने घोषणापत्र में धर्म आधारित आरक्षण को हटाने, रोहिंग्या और अन्य अवैध आप्रवासियों का निर्वासन, गोहत्या के खिलाफ कार्रवाई करने जैसे वादे किए हैं। धर्म से अलग बीजेपी ने जाति के जरिये भी वोटरों को लुभाने की कोशिश की है, पार्टी ने ओबीसी समुदाय से मुख्यमंत्री, विशेष बीसी विकास निधि और एससी और एसटी की रिक्तियों को तेजी से भरने का वादा किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जनसभा में अनुसूचित जाति के पुनर्वर्गीकरण का वादा किया था। यह एक ऐसा मुद्दा है जो तीन दशकों से अधिक समय से लटका हुआ है और मडिगा रिजर्वेशन पोराटा समिति (एमआरपीएस) की नेता मंदा कृष्णा मडिगा इसके लिए सभी उपलब्ध मंचों पर लड़ रहे हैं। एमआरपीएस का कहना है कि 22 प्रतिशत एससी कोटा का लाभ मडिगा लोगों को नहीं मिला है, जो इस श्रेणी में बड़ा जाति समूह हैं।

बीआरएस पर दबाव, पुराने वादे पूरे करने की बात

बीआरएस वैसे तो एससी-एसटी और ओबीसी को साथ लेकर चलने की बात कह रही है, लेकिन उसके सामने चुनौती ये है कि वह फिलहाल अपने पिछले वादे को ही पूरा नहीं कर पाई है, उसने एक दलित मुख्यमंत्री नियुक्त करने की बात कही थी। बीआरएस ने अपने चुनावी प्रचार में जो 104 उपलब्धियां गिनाई हैं उनमें से केवल 11 को ही जाति, समुदाय या धर्म से जोड़ा जा सकता है। तेलंगाना में मडिगा एससी आबादी का 65 प्रतिशत हिस्सा है, राजैया को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था लेकिन उन्हें दरकिनार कर दिया गया। तेलंगाना की सत्तारूढ़ सरकार में मडिगा जैसा कोई भी व्यक्ति नहीं है,जिसकी पहचान हो सके।

कांग्रेस का जातिगत जनगणना पर जोर

जाति के मोर्चे को भुनाते हुए कांग्रेस भी आगे निकलने की होड़ में है। कांग्रेस ने मेनिफेस्टो में जाति जनगणना और आनुपातिक आरक्षण का वादा किया है। कांग्रेस सबसे बड़े जाति-आधारित वोट बैंक के उद्देश्य से बीसी को लुभाने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा कांग्रेस ने जाति जनगणना का वादा किया है। कांग्रेस के राहुल गांधी हर जनसभा में यह वादा कर रहे हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो जातिगत जनगणना कराएंगे।

विपक्ष ने केसीआर को घेरा

उधर इन वादों पर विपक्ष ने उनको घेरा है। बीजेपी ने केसीआर से सवाल पूछा है कि क्या आईटी पार्क अब धर्म के आधार पर बनाये जाएंगे। क्या वोट बैंक की राजनीति के चलते आने वाले समय में देश में पुल, पुलिया, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और बस व ट्रेन भी धार्मिक आधार पर चलेंगी? उधर ये भी चर्चा है कि कहीं यह केसीआर की ओर से दी जा रही शह का परिणाम तो नहीं है कि एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी खुलेआम पुलिस अधिकारियों को धमकी देने लगते हैं? कहीं यह केसीआर द्वारा दी जा रही शह का परिणाम तो नहीं है कि अकबरुद्दीन ओवैसी पुलिस अधिकारी को धमकी देते हुए कहते हैं कि अगर वह (अपने समर्थकों को) इशारा करेंगे तो पुलिस अधिकारी वहां से भागने के लिए मजबूर हो जाएंगे? इसके अलावा केसीआर अपनी सभाओं में भाजपा की हार की

भविष्यवाणी करें इसमें कुछ गलत नहीं है लेकिन सवाल यह है कि वह आखिर मुस्लिमों से यह क्यों कह रहे हैं कि उन्हें डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि 2024 में भाजपा हारने वाली है? भाजपा 2024 में हारे या जीते लेकिन इससे किसी को डरने या नहीं डरने की जरूरत कहां से आ गयी? सबको पता होना चाहिए कि भारत में राजनीतिक पार्टियां या सत्ताधारी दल कानून से ऊपर नहीं हैं।

तेलंगाना में अल्पसंख्यकों पर सबकी नजर

तेलंगाना में जैसे-जैसे मतदान का समय करीब आ रहा है वैसे-वैसे तुष्टिकरण की राजनीति जोर पकड़ने लगी है। मुख्यमंत्री केसीआर और उनके करीबी असद्दुदीन ओवैसी खुलकर अपनी सभाओं में मुस्लिम मुस्लिम कर रहे हैं दूसरी ओर कांग्रेस भी खुद को मुस्लिमों का सबसे बड़ा हितैषी साबित करने में लगी हुई है। दस साल से तेलंगाना की सत्ता में जमे मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव दावा कर रहे हैं कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में अल्पसंख्यकों के लिए मात्र दो हजार करोड़ रुपए खर्च किये जबकि उनके नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति की सरकार ने दस साल में अल्पसंख्यकों के विकास पर 12 हजार करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च की। केसीआर अपनी सभाओं में उम्मीद जता रहे हैं कि अल्लाह ने चाहा तो तेलंगाना एक बार फिर उनके पास आयेगा।

केसीआर ने सबको फिर किए लोकलुभावन वादे

केसीआर के भाषणों को आप सुनेंगे तो आपको आभास होगा कि वह किसी चुनावी रैली को नहीं बल्कि धार्मिक रैली को संबोधित कर रहे हैं। हांलाकि वह सभी के लिए लोकलुभावन वादे भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री केसीआर ने संविधान की शपथ लेते समय सबके साथ न्याय करने की बात कही थी लेकिन उनके भाषणों से लग रहा है कि उन्होंने सिर्फ वोट बैंक की राजनीति की है। वहीं सीएम अल्पसंख्यक मतदाताओं को लुभाने के लिए भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर ने यह दावा भी कर दिया है कि यदि उनकी सरकार तीसरी बार भी बनती है तो वह मुस्लिम युवाओं के लिए आईटी पार्क स्थापित करेंगे।

बीजेपी देश का माहौल खराब कर रही : बीआएएस

महेश्वरम से शिक्षा मंत्री सविता इंद्र रेड्डी की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केसीआर ने यह विवादित बयान दिया है। केसीआर ने कहा कि हम पेंशन दे रहे हैं जो मुसलमानों को भी मिल रही है। हमने आवासीय विद्यालय खोले हैं जिनमें मुस्लिम विद्यार्थी भी पढ़ते हैं। हम सभी को अपने साथ लेकर चलते हैं। उन्होंने कहा, ''आज, हम मुस्लिम युवाओं के बारे में और हैदराबाद के पास उनके लिए एक विशेष आईटी पार्क स्थापित करने सोच रहे हैं। आईटी पार्क पहाड़ी शरीफ के पास बनेगा।'' प्रदेश के जहीराबाद में, केसीआर ने केंद्र में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि भगवा पार्टी किसी का कोई भला नहीं कर रही, ''देश का माहौल खराब कर रही है।'' उन्होंने कहा कि राजग सरकार का कार्यकाल केवल कुछ और दिनों तक चलेगा। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि सत्तारुढ़ गठबंधन 2024 का लोकसभा चुनाव हार जाएगा। उन्होंने कहा, ''भाजपा देश में माहौल खराब कर रही है। इसमें किसी का कोई फ़ायदा नहीं है। यह उनके लिए स्थायी कार्यकाल नहीं होगा। डरने की कोई जरूरत नहीं है। उनका कार्यकाल बस कुछ और दिन ही है। वे हमेशा के लिये नहीं रहेंगे। जब लोगों को एहसास होगा तो वे उन्हें बाहर निकाल देंगे। फिर, यह खुशहाली वाला देश होगा। तेलंगाना में किसी तरह के कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं होने तथा राज्य को 'शांतिपूर्ण' बताते हुये राव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने पिछले 10 वर्षों के दौरान अल्पसंख्यक विकास पर 12,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जबकि कांग्रेस ने अपने 10 साल के शासन के दौरान 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए थे। उन्होंने कहा कि जब तक केसीआर जीवित हैं, तेलंगाना एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बना रहेगा। मुख्यमंत्री के मुताबिक, अलग राज्य बनने के बाद तेलंगाना में विकास संभव हो सका है। उन्होंने लोगों से पूछा, ''तेलंगाना के लिए राज्य का दर्जा किसने हासिल किया। 24 घंटे मुफ्त बिजली लागू करने में कौन सक्षम है। हर घर नल का पानी किसने पहुंचाया।'' मौके पर मौजूद लोगों ने 'केसीआर-केसीआर' कहकर इसका जवाब दिया। महेश्वरम में रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार मुसलमानों एवं हिंदुओं को दो आंखों की तरह मानती है और सभी को साथ लेकर चलती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एवियन इन्फ्लूएंजा से सतर्क रहें लोग

चीन में बच्चों पर हो रहे रहस्मयी बीमारी के कहर का असर दुनिया में हो सकता है। इस बात का अंदेशा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जताई है। हालांकि उसने लोगों से अपील की है कि वह घबराएं नहीं बस सतर्कता बरतें। उधर इस महामारी के मद्देनजर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने चीन में बच्चों में फैल रही रहस्यमयी बीमारी पर नजर बनाए रखी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि चीन में सामने आ रहे एवियन इन्फ्लूएंजा मामले के साथ-साथ श्वसन संबंधी बीमारी के समूहों से भारत को खतरे का संभावना कम है। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि भारत इसकी वजह से पैदा होने वाली किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार है। साथ लोगों से सतर्कता के साथ साफ सफाइ पर ध्यान देने की जरूरत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी चीन में बच्चों में ,एच9एन2 मामलों के फैलने और सांस लेने संबंधी बीमारियों के रुप की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

पिछले कुछ हफ्तों से चीन में सांस लेने संबंधी बीमारियों की घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चीन में अक्टूबर 2023 में एच9एन2 (एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस) के एक मामले आने के बाद इसकी तैयारी को लेकर डीजीएचएस की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसकी रिपोर्ट डब्ल्यूएचओ को दी गई थी। फिलहाल भारत किसी भी प्रकार की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए तैयार है। भारत ऐसे सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान के लिए वन हेल्थ दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। कोविड महामारी के बाद भारत के स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढ़ांचे में मजबूती आई है। डब्ल्यूएचओ ने बच्चों में सांस लेने संबंधी बीमारियों और निमोनिया के ग्रुप में बढ़ोतरी पर चीन से डिटेल में जानकारी देने का अनुरोध किया है। चीन में इन्फ्लूएंजा, इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों, आरएसवी और सार्स सीओवी-2 को लेकर जानकारी देने जुटाने के लिए और ग्लोबल इन्फ्लुएंजा निगरानी रिपोर्ट करने के लिए डब्ल्यूएचओ का सिस्टम मौजूद है। डब्ल्यूएचओ ने इस बीमारी के जोखिम को कम करने के लिए कुछ उपाय बताए हैं। जिसमें टीकाकरण, बीमार लोगों से दूरी बनाए रखना, बीमार होने पर घर रहना, मास्क का इस्तेमाल करना, नियमित रूप से हाथ धोना जैसे उपाय शामिल हैं। हालांकि कोरोना सेबचने के लिए काफी अच्छी व्यवस्था की गई थी पर लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा था। इसकी वजह थी लापर वाही। ऐसे जब बच्चों में इस तरह की बीमारी फैल रही है तो आम लोगों को साफ सफाई का विशेष ध्यान देना होगा।

“ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि चीन में सामने आ रहे एवियन इन्फ्लूएंजा मामले के साथ-साथ श्वसन संबंधी बीमारी के समूहों से भारत को खतरे का संभावना कम है। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि भारत इसकी वजह से पैदा होने वाली किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार है। साथ लोगों से सतर्कता के साथ साफ सफाइ पर ध्यान देने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आत्मनियंत्रण से थमेगा सांसों का जहर

पंकज चतुर्वेदी

जब दिल्ली और उसके आसपास दो सौ किलोमीटर की सांसों पर संकट छाया और सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नजरिया अपनाया तो सरकार का एक नया शिगूफा सामने आ गया— कृत्रिम बरसात। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक हैं, वहां यह बरसात नए तरीके का संकट ला सकती है। विदित हो सीएनजी दहन से नाइट्रोजन ऑक्साइड और नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ 'आक्साइड आफ नाइट्रोजन' का उत्सर्जन होता है। चिंता की बात यह है कि 'आक्साइड आफ नाइट्रोजन' गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलकर तेजाबी बारिश कर सकती है।

यहां कृत्रिम बरसात की तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ की खासियत होती है कि इसके पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है तो यह सूखी बर्फ के कोनों पर चिपक जाती है। इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है। एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी-सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह खतरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जायें। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाबों पर भी रासायनिक खतरा बना रहता है। हमारे नीति-निर्धारक आखिर यह क्यों नहीं समझ रहे कि बढ़ते प्रदूषण का इलाज तकनीक में तलाशने से ज्यादा जरूरी है प्रदूषण को ही कम करना। दिल्ली में अभी तक जितने भी तकनीकी प्रयोग किये गये, हकीकत में वे बेअसर ही रहे हैं।

यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का जिसकी एक टिप्पणी के चलते इस बार दिल्ली में वाहनों का सम-विषम संचालन थम गया। तीन साल पहले एम्स के तत्कालीन निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कह दिया था दूषित हवा से सेहत पर पड़ रहे कुप्रभाव का सम-विषम स्थायी समाधान नहीं है। क्योंकि

ये उपाय उस समय अपनाये जाते हैं जब हालात पहले से ही आपात स्थिति में पहुंच गये हैं। यही नहीं, सुप्रीम कोर्ट भी कह चुकी है कि जिन देशों में ऑड-ईवन लागू हैं वहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट काफी मजबूत और फ्री है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड अदालत को बता चुकी है कि ऑड-ईवन से वायु-गुणवत्ता में कोई खास फायदा नहीं हुआ। प्रदूषण सिर्फ 4 प्रतिशत कम हुआ है। इससे पहले हम 'स्मॉग टॉवर' के हसीन सपनों को तबाह होते देख चुके हैं। दिवाली के पहले जब दिल्ली में वायु गुणवत्ता सबसे खराब थी तब राजधानी में लगे स्मॉग टावर धूल खा रहे थे। सनद रहे 15 नवम्बर, 2019 को जब दिल्ली हांफ रही थी तब सुप्रीम कोर्ट ने तात्कालिक राहत के लिए प्रस्तुत किये गये विकल्पों में से 'स्मॉग टॉवर' के निर्देश दिए थे। एक साल बाद दिल्ली-यूपी सीमा पर 20 करोड़ लगाकर आनंद विहार में स्मॉग टावर लगाया। इससे पहले 23 अगस्त को कनॉट प्लेस में पहला स्मॉग टॉवर 23 करोड़ खर्च कर लगाया गया था। इसके संचालन और रखरखाव पर शायद इतना अधिक खर्चा था कि वे बंद कर दिए गये। इसी हफ्ते जब फिर सुप्रीम कोर्ट दिल्ली की हवा के जहर होने पर चिंतित दिखा तो टॉवर शुरू कर दिए गये। वैसे यह सरकारी रिपोर्ट में दर्ज है कि इस तरह के टॉवर से समग्र रूप से कोई लाभ हुआ नहीं। महज कुछ वर्ग मीटर में थोड़ी-सी हवा साफ हुई। असल में स्मॉग टॉवर बड़े आकार का एयर प्यूरीफायर होता है। सन् 2020 में एमडीपीआई (मल्टी डिसिप्लिनरी डिजिटल पब्लिशिंग इंस्टीट्यूट) के लिए किए गए शोध 'कैन वी वैक्यूम अवर एयर पॉल्यूशन प्रॉब्लम यूजिंग स्मोग टॉवर' में सरथ गुट्टीकुंडा और पूजा जवाहर ने बता दिया था कि चूंकि वायु प्रदूषण की न तो कोई सीमा होती है और न ही दिशा, सो दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र- गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम और रोहतक के सात हजार वर्ग किलोमीटर इलाके में कुछ स्मॉग टावर बेअसर ही रहेंगे।

वैसे, दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के अन्य उपाय पर भी काम चल रहा है। जापान सरकार अपने एक विश्वविद्यालय के जरिये दिल्ली-एनसीआर में एक शोध-सर्वे करवा चुका है जिसमें उसने आकलन किया है कि आने वाले दस साल में सार्वजनिक परिवहन और निजी वाहनों में हाइड्रोजन और फ्यूल सेल-आधारित तकनीक के इस्तेमाल से उसे कितना व्यापार मिलेगा।

जरूरी मुद्दों के प्रति भी जगे ये जुनून

विश्वनाथ सचदेव

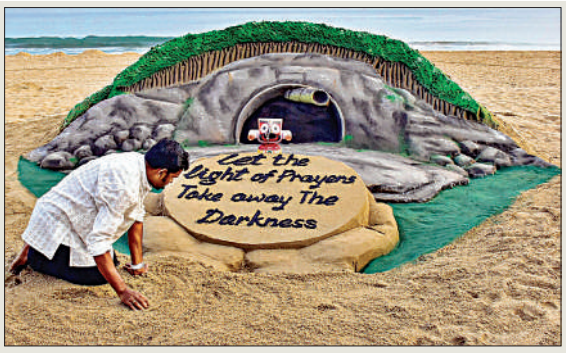

चर्चा तो रहेगी विश्व कप क्रिकेट में भारत के हारने की, पर क्रिकेट का बुखार कुछ उतरता लग रहा है। विश्व कप में लगातार दस मैच जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया के हाथों हारना हमारे लिये एक पीड़ादायक झटका था, इसमें कोई संशय नहीं। जिस तरह का जुड़ाव हमारे देश में क्रिकेट से है, और फाइनल मुकाबले से पहले जिस तरह का क्रिकेट का बुखार देश पर छा गया था वह अविश्वसनीयता की हद तक अपने आप में एक अनावश्यक जुनून ही था। बहरहाल, अब विश्व कप मुकाबले का बुखार उतर गया है, हमारी टीम इस मुकाबले में जीत नहीं पायी। जीत जाती तो बहुत अच्छा था, और हार पर थोड़ा गम होना स्वाभाविक है। हारने के कारणों पर कुछ अर्से तक बहस भी चलती रहेगी, पर बहस इस विषय पर भी चलनी चाहिए कि जिस तरह का जुनून क्रिकेट को लेकर छा गया था, उसे किस सीमा तक उचित कहा जा सकता है।

नि:संदेह, खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आज क्रिकेट हमारे देश में सर्वाधिक लोकप्रिय खेल बन चुका है, यह भी सही है। कभी हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल हुआ करता था, आज क्रिकेट है। कुछ लोग तो क्रिकेट को भारत का धर्म भी कहने लगे हैं। उस दिन जब अहमदाबाद में विश्व कप फाइनल मैच खेला जा रहा था तो अपने मोहल्ले में बड़े पर्दे पर मैच देखने वाले युवाओं से मैंने भारत की हॉकी टीम के कप्तान का नाम पूछ लिया था। उनमें से एक को भी हमारी हॉकी टीम के कप्तान का नाम नहीं पता था। खिलाड़ियों के भी दो-तीन नाम ही बता पाये थे वे। क्रिकेट मैच के सारे आंकड़े उनकी जुबान पर थे। क्रिकेट के बारे में यह ज्ञान कतई गलत नहीं है, पर क्रिकेट के प्रति बावलेपन पर तो सवाल उठना ही चाहिए। अहमदाबाद के इस मैच से पहले देशभर में भारत की जीत के लिए प्रार्थनाएं की जा रही थीं। हवन हो रहे थे। पूजा-आरती हो रही थी। यह सही है कि इस सब का मुकाबला के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा, पर जीत के लिए अपने-अपने आराध्य को रिझाने की कोशिश तो की ही गयी थी। इसे लेकर मेरे मन में तब भी एक सवाल उठा था, अब भी उठ रहा है।

जिस भक्ति-भाव से हमने क्रिकेट मैच में जीत के लिए भगवान से प्रार्थना की थी, वह भक्ति-भाव उन 41 मजदूरों के लिए क्यों नहीं उमड़ा जो पिछले 12 दिन से उत्तराखंड की सिल्क्यारा डंडालगांव टनल में हुए हादसे में फंसे पड़े हैं और जिंदगी-मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इन अभागे मजदूरों के प्रति देश में सहानुभूति नहीं है, पर उनके लिए क्यों नहीं पूजा-आरती हुई, क्यों किसी को कोई हवन कराने की नहीं सूझी? ऐसा नहीं है कि इन मजदूरों के बचाव के लिए प्रयास नहीं हो रहे, सरकार का दावा है कि इन्हें बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है, उम्मीद की जानी चाहिए कि यह प्रयास सफल होंगे, अभागे मजदूर फिर से खुली हवा में सांस ले पाएंगे। लेकिन यह सवाल तो बनता ही है कि क्रिकेट की जीत इनके जीवन से अधिक महत्वपूर्ण क्यों मानी गयी?

सवाल सिर्फ इकतालीस मजदूरों के जीवन का ही नहीं है, सवाल क्रिकेट में हार-जीत का भी नहीं है, सवाल है उस मानसिकता का जो गैर-जरूरी मुद्दों के पक्ष में खड़ा होने के लिए प्रेरित करती है और सही मुद्दों के प्रति एक आपराधिक उपेक्षा का भाव जगाती है। लगभग छह महीने हो चुके हैं मणिपुर में हिंसा की आग थमी नहीं है। अब तो हम यह भी भूलने लगे हैं कि मणिपुर की सड़कों पर कुछ स्त्रियों के साथ वह हरकत की गई थी जिसे सिर्फ वहशीपना ही कहा जा सकता है। क्रिकेट के मुकाबले में हारने के बाद खिलाड़ियों को दिलासा देने वालों को क्यों यह जरूरी नहीं लगा कि ऐसा ही दिलासा मणिपुर की उन महिलाओं को भी दिये जाने की आवश्यकता है जिनकी अस्मिता को तार-तार कर दिया गया था? 'हम तुम्हारी जीत में भी तुम्हारे साथ होते हैं, और तुम्हारी हार में भी तुम्हारे साथ हैं', ऐसा कोई वाक्य मणिपुर के उन अभागों के प्रति क्यों नहीं उमड़ा जिन्हें उनके घर-द्वार से निकाल दिया गया था और जो आज भी शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए विवश हैं? जब अहमदाबाद में क्रिकेट के मुकाबले की तैयारी चल रही थी, सारे शहर को सजाया जा रहा था तब अयोध्या में दिवाली का एक रिकॉर्ड बनाया जा रहा था। दिवाली के अवसर पर वहां इस बार बाईस लाख दीये जलाकर एक नया कीर्तिमान बनाया गया था।

पिछले साल भी वहां ऐसा ही एक कीर्तिमान बना था। इस बार नया रिकॉर्ड बना। अगली दिवाली पर शायद और नया बनेगा। इन कीर्तिमानों की बात तो हम आज कर रहे हैं, पर इस बात की चर्चा कहीं क्यों नहीं हो रही कि दीयों का कीर्तिमान बनाये जाने वाली उस रात में वहां कुछ अभागे बच्चे। कुछ नहीं बहुत सारे बुझते दीयों का बचा हुआ तेल अपने बर्तनों में भर रहे थे, ताकि उनकी दिवाली में भी कुछ स्निग्धता आ सके! उन्हें यह करते हुए दिखाने वाले कुछ चित्र मीडिया में भी आये थे। कुछ लोगों का कहना है कि यह चित्र पिछले साल के थे। यदि ऐसा है तब भी यह सवाल तो उठता ही है कि जीवन की यह विवशता हमें तब क्यों नहीं दिखती जब हम कीर्तिमान स्थापित करने में लगे होते हैं? दीयों का तेल उठाने की व्यवस्था दिखाने वाले इन चित्रों से हमें इस बात की प्रेरणा क्यों नहीं मिलती कि बाईस लाख अंधियारे घरों के दरवाजों पर दीपक जलाया जाये? वह भी तो एक कीर्तिमान ही होता। शायद और भव्य और सार्थक कीर्तिमान! इस स्थिति का सीधा संबंध सही मुद्दों को उठाने और सही के पक्ष में खड़े होने से है।

बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रखेंगे ये योगासन

शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सर्वांगासन

एक ही स्थान पर बैठकर घंटों पढ़ाई करने से शारीरिक सक्रियता कम होने लगती है। गलत पोजीशन में बैठकर पढ़ने या सिर झुकाकर पढ़ाई करने से पीठ व गर्दन में दर्द की समस्या हो जाती है। लगातार बैठे रहने के बजाए बीच में उठकर कुछ देर पैदल चलना चाहिए। साथ ही शारीरिक सक्रियता के लिए सर्वांगासन योग का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से हाथ-कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, याददाश्त तेज होती है और आंखों की रोशनी बढ़ती है और मस्तिष्क में एनर्जी का ग्लो बेहतर बनता है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों हथेलियों को नीचे रखें और पैरों को सीधे हवा में ऊपर उठाते हुए सिर की ओर मोड़ें। हाथों को कमर का सहारा देते हुए कंधे, रीढ़ की हड्डी और हिप्स को सीधा करें। इस पोजीशन में 30 सेकेंड रहने के बाद धीमी गति से पुरानी स्थिति में आ जाएं।

ध्यान केंद्रित करने के लिए वृक्षासन

पढ़ाई करते समय अक्सर बच्चों को ध्यान केंद्रित नहीं होता। इस कारण उनका मन भटकता रहता है और पढ़ाई में मन नहीं लगता। लगातार किताब लेकर बैठने का अर्थ पढ़ाई करना नहीं होता। बच्चा पढ़ाई पर फोकस कर सके, इसलिए वृक्षासन का अभ्यास कराएं। इस योग से शरीर का संतुलन बना रहता है और ध्यान एकाग्र करने में मदद मिलती है। वृक्षासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए दाएं पैर को मोड़कर तलवे को बाएं पैर की जांघ पर रखें। इस स्थिति में संतुलन बनाएं और हाथों को जोड़ते हुए सिर के ऊपर ले जाते हुए नमस्कार की मुद्रा ले लें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें, बाद में दूसरे पैर से भी प्रक्रिया को दोहराएं।

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा एक मार्ग की तरह है। शिक्षा प्राप्त करने बच्चे स्कूल जाते हैं। स्कूल में बच्चों को हर दिशा में निपुण बनाने के लिए कई विषयों के बारे में पढ़ाया जाता है। अक्सर बच्चे किसी विषय में कमजोर होते हैं, जिस पर उन्हें अधिक ध्यान लगाने की जरूरत होती है। वहीं कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे होते हैं, जिसके लिए वह घंटे पढ़ाई करते हैं। हालांकि घंटों बैठकर पढ़ने से अक्सर बच्चों को अनिद्रा, आंखों में जलन, सिर दर्द या शरीर दर्द जैसी समस्या भी होने लगती हैं। पढ़ाई में ध्यान केंद्रित न होने पाने की शिकायत भी आम है। अगर आपका बच्चा भी स्कूल व कोचिंग की घंटो क्लास लेता है, या अपने कमरे में बैठकर घंटों पढ़ाई करता है, तो उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ सकता है। बच्चे को शारीरिक तौर पर सक्रिय रहने की भी जरूरत होती है और मस्तिष्क को आराम देना भी जरूरी होती है।

आत्मविश्वास को बढ़ाएं

ऐसा बहुत बार होता हैं कि बच्चा कुछ करना चाहता हैं लेकिन उसमें सफल नहीं हो पाता है। ऐसे में बच्चों को बताएं कि गलतियों से सीखें, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। सफाई रखना और लक्षणों पर नजर रखना बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण हो सकता है। बच्चों के लिए ऐसा माहौल बनाया जाना चाहिए, जहां वे अपनी सभी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करें। बात चाहे उनकी शारीरिक परेशानी की हो या मानसिक और भावनात्मक समस्या की, उन्हें खुलकर बात करने का मौका देना चाहिए।

आंखों को आराम देने के लिए भस्त्रिका प्राणायाम

लगातार पढ़ाई से आंखों में दर्द होने लगता है और नजर कमजोर होने की शिकायत भी हो सकती है। आंखों को आराम देने और नजर तेज करने के लिए भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से फेफड़ों, कानों और नाक पर भी असर होता है। इस आसन को करने के लिए किसी भी शांत वातावरण में बैठ जाएं। सुखासन की मुद्रा में बैठकर गर्दन और रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखें। अब शरीर को बिना हिलाए गहरी सांस लें और तेजी से दोनों नाक से आवाज करते हुए सांस छोड़ें। आखें बंद करें और थोड़ी देर के लिए शरीर को शिथिल कर लें। मूह बंद रखें। हाथों को चिन या ज्ञान मुद्रा में रखें। दोनों नाक के माध्यम से धीमी और गहराई से श्वास लें। दोनों नथ्नो को बंद कर लें और कुछ सेकंड के लिए सांस रोक कर रखें। धीरे-धीरे दोनों नथ्नो से श्वास छोड़ें। ऊपर बताए गये तरीके से बाएं, दाएं और दोनों नथ्नो के माध्यम से श्वास लेना एक भास्त्रिका प्राणायाम का पूरा चक्र होता है।

हंसना मना है

गर्मी का कहर शुरू। एक औरत अकेले कब्रिस्तान मे एक कब्र पर बैठी थी। एक राहगीर ने पूछा-डर नहीं लगता? औरत - क्यों? इसमें डरने की क्या बात है.. अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई। राहगीर अब कौमा में है।

लड़का - आई लव यू डियर, लड़की - तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का - अरे...पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

एक आदमी- भैया बाल छोटे कर दो। नाई- कितने छोटे कर दूं साहब? आदमी- इतने कर दो कि बीवी के हाथों में न आ सकें।

बाबू- साहब, आप ऑफिस में शादीशुदा आदमियों को ही क्यों रखते हो? साहब- क्योंकि उन्हें बेइज्जती सहने की आदत होती है और घर जाने की जल्दी भी नहीं होती।

संता- यार बंता तू अपनी कार को धो रहा है। बंता- नहीं कार को पानी दे रहा हूं, जब ये बस बन जाएगी तब इसे चलाउंगा।

संता- यार गप्पू मेरे एक सवाल का जवाब देगा, बंता- हां पूछ, संता- इंसान की आंखें कितने दिनों में खुलती हैं? बंता- पैदा होने के कुछ देर बाद, संता- नहीं रे, बंता- तो भाई तू ही बता दें, संता- इंसान की आंख शादी के बाद खुलती है !

कहानी | पांच मिनट का जीवन

एक बार एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिल गये वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए व्यक्ति से पानी मांगा, बिना एक क्षण गंवाए उसने पानी पिला दिया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आये हैं लेकिन चूंकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूं। यह कहकर यमराज ने एक डायरी देकर उस आदमी से कहा कि तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है। इसमें तुम जो भी लिखोगे वही हो जाएगा लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनट। उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो उसने देखा कि पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है। उसने वहां लिख दिया कि उसके पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पेज पर लिखा था कि उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है, तो उसने लिख दिया कि उसका दोस्त चुनाव हार जाए। इस तरह, वह पेज पलटता रहा और अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया। जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पेन उठाया यमराज ने उस व्यक्ति के हाथ से डायरी ले ली और कहा वत्स तुम्हारा पांच मिनट का समय पूरा हुआ, अब कुछ नहीं हो सकता। तुमने अपने पूरे 5 मिनट का समय दूसरों का बुरा करने में व्यतीत कर दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया, अंततः तुम्हारा अंत निश्चित है। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा मौका उसके हाथ से निकल चुका था।

शिक्षा - यदि ईश्वर ने आपको कोई शक्ति प्रदान की है तो कभी किसी का बुरा न सोचे, और न ही बुरा करें। दूसरों का भला करने वाला सदा सुखी रहता है और ईश्वर की कृपा सदा उस पर बनी रहती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष - उच्च पदाधिकारियों द्वारा काम की सराहना होगी और वे आपके प्रेरणा स्रोत बनेंगे। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ की तरह पिघल जाएगा।

वृषभ - आज आप अपने कौशल से अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। कार्य क्षेत्र में भी आज किसी व्यापारी या अधिकारी से आपकी अनबन हो सकती है।

मिथुन - आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। किसी घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ेगी। किसी से बातचीत करते समय शब्दों का ध्यान जरूर रखें।

कर्क - नौकरी में तरक्की के योग हैं। अपने नजरिए को दूसरों पर न थोपें, विवाद से बचने के लिए दूसरों की बातें भी गौर से सुनें। किसी पुरानी बात को लेकर आपकी चिंता बढ़ सकती है।

सिंह - आज का दिन आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। आज आपको संतान पक्ष की ओर से भरपूर सुख व सहयोग दोनों मिलेगा। जीवनसाथी नाराज हो सकता है।

कन्या - आज आप अपने माता-पिता के साथ शॉपिंग के लिए जाएंगे, वहां आपको अच्छा डिस्काउंट मिलेगा। इस राशि के जो लोग टूर एंड ट्रेवल से जुड़े हैं उनकी आय में बढ़ोतरी होगी।

तुला - आज किसी के साथ वाद-विवाद न कीजिएगा। आपको थोड़ी सुस्ती महसूस हो सकती है। किस्मत का साथ मिलेगा। दूसरों के मामले में दखल न दें।

वृश्चिक - आज का दिन आपका परोपकार के कार्यों में व्यतीत होगा। आज आप अपने धन का कुछ हिस्सा गरीबों की सेवा में व्यतीत करेंगे। घर में आप विवाह की बात चला सकते है।

धनु - आज माता-पिता अपने बच्चों के साथ कहीं आस-पास पिकनिक स्पॉट पर जाने का मन बनाएंगे। किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी करेंगे।

मकर - समय-समय पर अपने किए कार्यों का अवलोकन करें। पारिवारिक जीवन की बात करें तो आपको अपने माता-पिता के विचारों को महत्व देना होगा।

कुम्भ - आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज संतान को नौकरी में किसी बड़ी उपलब्धि की प्राप्ति होगी, जिसके कारण आपके मन में हर्ष होगा।

मीन - आप अपना ज्यादा समय परिवारवालों के साथ बिताएंगे। आज आपके लिए कोई फैसला करना थोड़ा कठिन हो सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी।

विक्की कौशल की सैम बहादुर का नया गाना बंदा हुआ रिलीज

विक्की कौशल की मच अवेटेड फिल्म सैम बहादुर जल्द ही दर्शकों के बीच होगी। लेकिन उससे पहले न सिर्फ फिल्म के प्रमोशन्स को लेकर शोर है, बल्कि मेकर्स फिल्म की हर नई झलक के साथ फैन्स और ऑडियंस की उत्सुक्ता को बनाए हुए है। इसी कड़ी में अब फिल्म से एक और लेटेस्ट गाना जारी किया गया है। इस गाने के बोल बंदा है। गाने में सैम मानेकशॉ बनें विक्की के सफर को दिखाया गया है।

इस गीत को शंकर महादेवन ने अपनी दिल छू लेने वाली आवाज में गाया हैं। वहीं इसका म्यूजिक शंकर एहसान लॉय का हैं और लीरिक्स गुलजार साहब के है। ये गाना विक्की के युवा कैडेट से लेकर सैम बहादुर बनने तक झलक कैद किए है। इसमें सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख भी नजर आई हैं। बता दें, 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती

है, जिन्होंने आगे बढ़कर भारतीय सेना का नेतृत्व किया और बांग्लादेश का निर्माण भी किया था। फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है।

मेघना गुलजार ने किया निर्देशन

फिल्म का निर्देशन मेघना गुलज़ार ने किया हैं जिन्होंने भवानी अय्यर और शांतनु श्रीवास्तव के साथ मिलकर इसे लिखा भी हैं। फिल्म को आरएसवीपी मूवीज़ के बैनर तले रॉनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में विक्की कौशल के अलावा फातिमा सना शेख, सान्या मल्होत्रा, नीरज काबी, एडवर्ड सोनेनब्लिक और जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिका में हैं। सैम बहादुर 1 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

400 करोड़ क्लब में शामिल हुई टाइगर-3

सलमान खान की टाइगर फ्रेंचाइजी की तीनों फिल्मों में कटरीना कैफ नजर आई हैं। फिलहाल सिनेमाघरों में टाइगर 3 लगी हुई है। इसमें कटरीना एक बार फिर जोया के रोल में दिखी हैं। अभिनेत्री इसमें एक्शन दिखाती नजर आई हैं। कैट का कहना है कि टाइगर फ्रेंचाइजी की हर फिल्म उनके लिए चुनौतीपूर्ण रही है। न सिर्फ शारीरिक रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी फिल्मों में काम करना चैलेंजिंग रहा है।

बता दें कि टाइगर 3 आज वर्ल्डवाइड 400 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है। फिल्म को मिल रहे प्यार पर कटरीना ने प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री ने कहा, टाइगर फ्रेंचाइजी मुझे साल 2012 से प्यार दे रही है! एक दशक से अधिक वक्त से इस फिल्म को मिल रहे प्यार से अभिभूत हूं। एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है और अब टाइगर 3, ये फिल्में मेरी सिनेमाई यात्रा का हिस्सा हैं। साथ ही

लोगों के प्यार का जताया आभार

कटरीना कैफ का कहना है कि भारत की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी सीरीज की फिल्मों का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। बता दें कि यह फिल्म यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। कटरीना ने आगे कहा, लोगों के प्यार और तारीफ ने सलमान, मुझे और वाईआरएफ को इस फ्रेंचाइजी के लिए लोगों का मनोरंजन करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

बतौर कलाकार मेरे विकास का भी हिस्सा हैं। ये कुछ ऐसी फिल्मे हैं, जो मुझे बेहद पसंद है।

कटरीना ने आगे कहा, यह एक ऐसी सफल फ्रेंचाइजी है, जिसने हमें अपने किरदारों को दोबारा दिखाने का मौका दिया है...यह कुछ ऐसी फिल्म है, जिसे अपने करियर में करके मैं खुद को भाग्यशाली समझती हूं। कटरीना कैफ का कहना है, टाइगर फ्रेंचाइजी की हर फिल्म मेरे लिए मानसिक और शारीरिक तौर पर चुनौतीपूर्ण रहीं।

बॉलीवुड | मन की बात

आर्या-3 ने मेरे करियर को नई दिशा दी : सिकंदर खेर

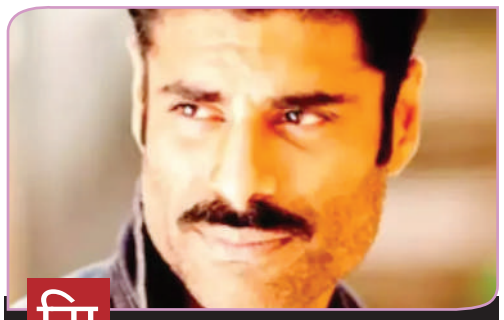

सिकंदर खेर ने फिल्म वुड स्टॉक विला से अपना ग्रैंड डेब्यू किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धराशायी हुई थी। इसके बाद सिकंदर ने जितनी भी फिल्में की, किस्मत ने उनका खास साथ नहीं दिया। इतने लंबे सालों से स्ट्रगल करने के बाद अब जाकर एक्टर सिकंदर खेर को अपनी पहचान मिल पाई है। सिकंदर खुद इस मानते हैं कि वेब सीरीज आर्या ने उनके करियर को नई दिशा दी है। ओटीटी के बदौलत मिली पहचान पर सिकंदर कहते हैं, आप कितनी भी मेहनत कर लें, फिल्में अगर न चले, तो चाहे कितनी अच्छी भी हो आपका काम दुनिया को नहीं दिखेगा। ओटीटी ने कितने लोगों को काम दिया है। मेरी मां हमेशा एक ही चीज कहती रहती है कि एक एक्टर का सबसे बड़ा वरदान यही होता है कि वो व्यस्त रहे। बस आप अपने काम को लेकर डूबे रहें। ओटीटी में काम की भरमार है, तो इसने बिजी होने के मौके दिए हैं। ये केवल एक्टर ही नहीं बल्कि राइटर, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर हर किसी को उड़ने के लिए पंख दिए हैं। अगर मैं बिजी हूं, तो इसकी सबसे बड़ी वजह ओटीटी प्लैटफॉर्म है। मैंने अपने करियर में 15 फिल्में की हैं, लेकिन उस वक्त इतना व्यस्त नहीं रहा, जितना इन दिनों ओटीटी प्रोजेक्ट्स को लेकर मेरी व्यस्तता बढ़ी है। मेरे मां-बाप यही कहते हैं, भईया काम से काम मिलता है। इसलिए काम में कोई ब्रेक नहीं लगना चाहिए। वो दोनों आज भी वही कर रहे हैं। चूंकि आप इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, तो आपको लेकर धारणा भी हैं कि आप प्रीविलेज्ड होंगे। कितनी सच्चाई होती है? जवाब में सिकंदर कहते हैं, मैं आपको इस तरह से एक्सप्लेन करता हूं। ये सारी दुनिया को पता है कि मैं अनुपम खेर और किरण खेर के घर से आता हूं। बचपन से अपने घर में यश चोपड़ा, करण जौहर जैसे लोगों को देखता आया हूं। कह लें, इनके साथ मेरा उठना बैठना रहा है। एक वक्त था, जब मैं काम के लिए लोगों को पागलों की तरह मेसेज किया करता था। उसमें वो सभी शामिल थे, जिन्हें मैं बचपन से जानता था। मैं साढ़े 10 बजे मेसेज करता, उसमें भी इतना कैलकुलेशन था, उन्हें ये न लगे कि मैं सुबह जल्दी में 10 बजे उन्हें मेसेज कर दे रहा हूं और 11 बजे करता, तो ये धारणा बनती कि ये लड़का लेट लतीफ है। इसलिए चुनकर साढ़े दस बजे का टाइम रखा था। मैं मेसेज में लिखता था कि क्या मैं आकर आपसे दस मिनट के लिए मिल सकता हूं। मेरा तीन मिनट का शो-रील रेडी कर रखा है ताकि ज्यादा वक्त नहीं लूंगा।

ये है 'दुनिया का सबसे पतला होटल', तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे आप!

'पिटुरूम्स' को 'दुनिया का सबसे पतला होटल' माना जाता है, जो इंडोनेशिया के सेंट्रल जावा में सलाटिगा शहर में स्थित है। महज 9 फीट चौड़ी जगह में बना ये होटल लग्जरी सुविधाओं से लैस है, जो यहां ठहरने वाले गेस्ट्स को एक अलग ही अनुभव कराता है। यह होटल पांच मंजिला है, जिसकी डिजाइन और उसके हर कमरे का इंटीरियर गजब का है, जिसकी तारीफ करने से आप भी खुद को रोक नहीं पाएंगे। द सन की रिपोर्ट के अनुसार, इस होटल का निर्माण अजीब आकार और बेकार पड़ी हुई जमीन के टुकड़े पर किया गया है, जो गली और घरों के बीच में थी और स्थानीय लोग उसका इस्तेमाल डंपिंग ग्राउंड के रूप में कर रहे थे। हालांकि, आस-पास के घरों से घिरे इस जमीन के टुकड़े पर इस होटल का निर्माण करना आसान नहीं था, लेकिन यह कारनामा आर्किटेक्ट ऐरी इंद्रा ने कर दिखाया। उन्होंने तमाम कठिनाइयों के बावजूद इस शानदार होटल को बनाकर दिखा दिया। ऐरी इंद्रा का जन्म और पालन-पोषण इंडोनेशिया के सेंट्रल जावा के एक छोटे से शहर सलाटिगा में हुआ था। हालांकि उन्होंने सिंगापुर और जकार्ता में एक आर्किटेक्ट के रूप में ट्रेनिंग ली है। पिटुरूम्स सात कमरों वाला होटल है। इसी वजह से इसका नाम पिटुरूम्स रखा गया है, क्योंकि जावानीस भाषा में पिटु का अर्थ- 'सात' होता है। यह होटल पांच मंजिला है, जिसकी चौड़ाई नौ फीट है। ऐरी इंद्रा ने यह दिसंबर 2022 में खोला था। उनका कहना है कि पिटुरूम्स खुलने के बाद से, यहां 95 फीसदी इंडोनेशियाई गेस्ट्स रहे हैं। जगह की कमी के बावजूद इस होटल में सभी सुविधाएं लग्जरी हैं। इसके हर कमरे में एक डबल बेड के साथ-साथ शॉवर और टॉयलेट की सुविधा दी गई है, जिन्हें कस्टम कलर पैलेट, यूनिक, लोकल आर्टवर्क से सजाया गया है। किसी भी कमरे का इंटीरियर एक जैसा नहीं है। ऐसा होने से यहां ठहरने वाले मेहमानों को एक बहुत ही अलग अनुभव मिलता है। इस होटल की टॉप मंजिल पर एक बार और रेस्टोरेंट भी है।

अजब-गजब | इस मछली से डरकर दूर भागते हैं शिकारी

ये है दुनिया की सबसे अनोखी पंख वाली मछली! मानी जाती है बिच्छू की 'चचेरी बहन'

फ्लाइंग गर्नर्ड दुनिया की सबसे अनोखी पंखों वाली मछली है, जो बिच्छू की 'चेचरी बहन' मानी जाती है। ये मछली जहरीली होती है। हालांकि इसका जहर बिच्छू के जहर जितना घातक नहीं होता है। इसके पेक्टोरल पंखों पर विषैले कांटे होते हैं। यही वजह है कि शिकारी इस मछली से डर कर ही दूर भागते हैं। इसे हेलमेट गर्नर्ड, ग्रंट फिश और बैटफिश के नाम से भी जाना जाता है। अब इसी फिश का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर @gunsnrosesgirl3 नाम की यूजर ने फ्लाइंग गर्नर्ड फिश का एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में लिखा गया है कि 'फिश विद विंग्स'। 19 नवंबर को पोस्ट किए जाने के बाद से अब तक इस वीडियो पर एक लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

फ्लाइंग गर्नर्ड पंख होने के बावजूद उड़ नहीं सकती है और न ही ज्यादा दूर तक ग्लाइडिंग ही कर सकती है। ये उड़ने वाली अन्य मछलियों की तरह पानी से बाहर छलांग भी नहीं लगा सकती हैं। यही वजह है कि ये मछलियां समुद्र के तल में पाई जाती हैं। फिर भी इसके पंख इसके लिए बड़े काम के हैं, जिनकी मदद से यह खाने की तलाश में

निकलती है। साथ ही रेत को खोदने में भी अपने पंखों को यूज करती है।

फ्लाइंग गर्नर्ड फिश इंसानों के लिए हानिरहित होती है। यूट्यूब चैनल deep marine scenes की एक वीडियो के मुताबिक, इस मछली को कचरा फिश माना जाता है, क्योंकि कॉमर्शियल रूप से मत्स्य पालन में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। हालांकि इसे अक्सर बायकैच के रूप में पकड़ा जाता है। इसका उपयोग फिश पाउडर और जिलेटिन (Gelatin) जैसे प्रोडक्ट्स को बनाने में किया जाता है। इस मछली का साइंटिफिक नाम डैक्टाइलोप्टेरस वोलिटन्स होता है।

तेलंगाना सरकार का समय गया, आ रही कांग्रेस सरकार : प्रियंका

» बोलीं- जहां-जहां हमारी सरकारें हैं वहां रोजगार दिलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में कांग्रेस के लिए लगातार पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी अपनी चुनावी ताकत दिखा रही है। इसी कड़ी में उन्होंने पालकुर्थी में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह समझती है कि केंद्र सरकार और यहां की राज्य सरकार की नीतियों की वजह से महंगाई का कितना बोझ आप पर है। उन्होंने ऐलान किया कि तेलंगाना में हमारी सरकार बनेगी तो महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री होगी।

उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में बेरोजगारी चरम पर है। यहां के युवा पढ़ते हैं, लिखते हैं, मेहनत करते हैं, कोचिंग की फीस देते हैं। लेकिन जब परीक्षा देने जाते हैं, तो पेपर लीक हो जाता है। इस कारण बहुत सारे नौजवानों ने आत्महत्या कर ली है। प्रियंका ने कहा कि यहां एक लड़की ने इसी कारण आत्महत्या कर ली थी, तो सरकार ने उसके बारे में झूठ फैलाया कि उसने फॉर्म ही नहीं भरा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जहां-जहां सरकारें हैं, वहां हमने रोजगार दिलाने का काम किया है। राजस्थान में 2 लाख से ज्यादा रोजगार दिए गए हैं और छत्तीसगढ़ में ग्रामीण रोजगार को बढ़ाया गया है। इसी तरह तेलंगाना के लिए हमारा एक विजन है। हम यहां पेपर लीक की समस्या को रोकने के लिए जॉब कैलेंडर निकालेंगे, जिसमें परीक्षा के समय से जुड़ी सारी जानकारियां होंगी। उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस की तीन गारंटी- महिलाओं के खाते में हर महीने 2500 रुपए, रसोई गैस सिलेंडर 500 रुपए में, महिलाओं को फ्री बस सुविधा का ऐलान किया।

केसीआर सरकार में हर स्तर पर अन्याय

कांग्रेस नेता ने कहा कि केसीआर सरकार हर स्तर पर आपके साथ अन्याय कर रही है। जैसे दवाईयों की एक्सपायरी डेट होती है, उसी तरह KCR सरकार की भी एक्सपायरी डेट निकल चुकी है। इसके साओथ ही उन्होंने तेलंगाना में किसानों के लिए कांग्रेस की गारंटी की बात की और बताया कि पार्टी की सरकार बनने पर किसानों के 2 लाख रुपए तक का कर्ज माफ होंगे, किसानों को हर साल 15 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कृषि मजदूरों को हर साल 12 हजार रुपए मिलेगा। धान पर 500 रुपए/क्विंटल का बोनस और एमएसपी की गारंटी होगी।

राजस्थान में कांग्रेस की लहर : गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दावा किया है कि राज्य में फिर से उनकी सरकार आ रही है। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की लहर चल रही है ये मैं महसूस कर रहा हूं।... मैं अपील यही करना चाहता हूं कि सभी मतदान ज्यादा करें। मुझे यकीन है इस बार हमारी सरकार फिर से वापस आएगी।

राज्य में एक नया इतिहास बनेगा : गजेंद्र सिंह शेखावत

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि 2013 में जब भाजपा को 163 सीट मिली थी और कांग्रेस 21 पर सिमट गई थी, तब भी उन्हें (अशोक गहलोत) करंट का स्पंदन महसूस हुआ था। तब वे यह भांप नहीं पाए थे कि वे जो स्पंदन महसूस कर रहे थे, वह उनकी सरकार को हटाने की सुनामी थी। अभी भी ऐसी ही स्थिति है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने समाज के हर वर्ग के साथ धोखा किया, 2018 में किए गए एक भी वादे को पूरा नहीं किया... परिवर्तन के संकल्प के साथ जनता जुटी है, अबकी बार राज बदलेगा और इतनी बुरी तरह बदलेगा कि एक नया इतिहास बनेगा।

मेरी पार्टी और जनता ख्याल रखेगी : पायलट

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान में 8 करोड़ लोग रहते हैं, जब सरकार बनती है तब सबका समर्थन मिलता है। जातिगत राजनीति करना कोई स्वस्थ्य संकेत नहीं है। जब भाजपा को लगता है कि वे चुनाव हारेंगे तब वे जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दोनों का लाडला बनने के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई लाडला बनने का प्रयास करता है तो वह जनता का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सब त्याग, सेवा और जनता के साथ संबंध बनाने के बारे में है। पायलट ने कहा कि किसी को उनकी चिंता नहीं करनी चाहिए, उनकी पार्टी और जनता उनका ख्याल रखेगी।

आप सांसद संजय सिंह को नहीं मिली राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को शुक्रवार (24 नवंबर) को राउज एवेन्यू कोर्ट से राहत नहीं मिली। कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 4 दिसंबर तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने आप नेता संजय सिंह की नियमित जमानत की अर्जी पर सुनवाई के दौरान उन्हें जेल में इलेक्ट्रिक केतली देने की इजाजत दे दी है। वहीं ईडी ने बताया कि मामले में जल्द ही सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

दरअसल, ईडी ने चार अक्टूबर को दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में संजय सिंह को उनके सरकारी आवास पर छापेमारी और कई घंटो की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें पांच अक्टूबर को न्यायिक हिरासत में कोर्ट ने भेजा था। फिर कई बार हिरासत की तारीख खत्म होने पर सिंह कोर्ट पहुंचे, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में ही पूर्व डिप्टी सीएम और आप नेता मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। इस नीति को केजरीवाल सरकार ने गड़बड़ी होने आरोपों के बीच 2022 में वापस ले लिया था। ईडी का दावा है कि दिल्ली शराब नीति में कई डीलरों को लाभ पहुंचाने के लिए कथित तौर पर रिश्वत ली गई है। इस पैसे का इस्तेमाल पार्टी के लिए किया गया है, इन आरोपों को आप खारिज करते हुए कहती रही है कि केंद्र सरकार राजनीतिक फायदे के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है, ये लोग ऐसे चुनाव नहीं जीत सकते इस कारण साजिश कर रहे हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट से बंगाल सरकार को झटका

» बीजेपी की मेगा रैली को मिली हरी झंडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने बंगाल की ममता सरकार को झटका देते हुए भाजपा की रैली को हरी झंडी दे दी है। कोर्ट की एक खंडपीठ ने 29 नवंबर को कोलकाता के विक्टोरिया हाउस के पास भाजपा की मेगा रैली की अनुमति देते हुए पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका खारिज कर दी। भाजपा मध्य कोलकाता में विक्टोरिया हाउस के पास 29 नवंबर को एक मेगा रैली करने वाली है। इस रैली में भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे।

बता दें कि बंगाल सरकार ने कोर्ट के पूर्व आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें पीठ ने भाजपा को रैली निकालने की अनुमति दी थी। 20 नवंबर को कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की एकल पीठ ने भाजपा की 29 नवंबर की रैली को अनुमति देते हुए स्थानीय पुलिस पर कई टिप्पणी भी की थी। पीठ ने कहा था कि एक स्वतंत्र देश में किसी की भी कहीं भी जाने की अनुमति है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस द्वारा रैली की अनुमति न देने का कोई औचित्य ही नहीं था।

बता दें कि भाजपा की रैली मनरेगा द्वारा दी जाने वाली नौकरी में बंगाल सरकार की अनियमितताओं को उजागर करने के लिए आयोजित की जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार सौरभ शुक्ला ने एनडीटीवी को कहा अलविदा

» कई पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं सौरभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपनी उम्दा रिपोर्टिंग व एंकरिंग से दर्शकों को जागरूक करने वाले यूपी के टीवी पत्रकार सौरभ शुक्ला ने 'एनडीटीवी' को अलविदा दिया है। वह यहां करीब 13 साल से कार्यरत थे और इन दिनों सीनियर स्पेशल करेसपॉन्डेंट/एंकर के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। सौरभ शुक्ला ने इस्तीफा क्यों दिया और उनका अगला कदम क्या होगा, फिलहाल इस बारे में पता नहीं चल सका है।

मूल रूप से कानपुर के रहने वाले सौरभ शुक्ला ने 'छत्रपति शाहू जी महाराज विविद्यालय (पूर्व में कानपुर विश्वविद्यालय) से पढ़ाई की है। महज 20 साल की उम्र में वह पत्रकारिता में आ गए थे। उन्होंने 'एनडीटीवी' के साथ ही मीडिया में अपने करियर की शुरुआत की थी। कोविड, दिल्ली दंगों और किसान आंदोलन में सौरभ शुक्ला के काम को बहुत सराहा गया था। यही नहीं, एनडीटीवी में रहते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए 'इंटरनेशनल प्रेस इंस्टीट्यूट' अवॉर्ड 2022 अपने नाम किया था। इसके अलावा 'एक्सचेंज4मीडिया' द्वारा दिए जाने वाले प्रतिष्ठित 'इनबा' (इनबा) अवॉर्ड्स के तहत उन्हें वर्ष 2018 में यंग प्रोफेशनल ऑफ द ईयर का खिताब मिल चुका है। वर्ष 2020 और 2021 रेड इंक (रेड इंक) अवॉर्ड जीतने के साथ-साथ वह 'समाचार4मीडिया पत्रकारिता 40अंडर40' अवॉर्ड के दो बार विजेता भी रह चुके हैं।

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चीन। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरूष जोड़ी ने चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में इंडोनेशिया के लियो रोली कारनांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय युगल जोड़ी ने विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज इंडोनेशियाई जोड़ी को 46 मिनट में 21-16 21-14 से हराया।

इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 जीतने वाले सात्विक और चिराग के सामने अंतिम चार में चीन की जोड़ी की चुनौती होगी। चीन की दो जोड़ियों के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हे जी टिंग और रेन जियांग यू की जोड़ी आठवीं वरीयता प्राप्त लियू यू चेन और ओयू जुवान यी से भिड़ेगी। विश्व रैंकिंग की पूर्व शीर्ष भारतीय जोड़ी ने अपने खेल में शानदार समन्वय दिखाया। दोनों लगातार अपनी जगह को बदलते रहे और बीच-बीच में करारे प्रहार करते हुए उन्होंने इंडोनेशिया की जोड़ी को दबाव में डाल दिया। मैच की शुरुआत में दोनों जोड़ियों के बार करीबी मुकाबला था। पहले ब्रेक के बाद स्कोर 14-14 की बराबरी पर पहुंचा लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने अपनी गति को बढ़ाया। चिराग ने इस दौरान शटल और कोर्ट की सीमारेखा पर शानदार समझ दिखाते हुए स्कोर को 19-16 से अपने पक्ष में कर दिया। उन्होंने दो और करारे प्रहार के साथ पहला गेम भारत के नाम किया। पहले गेम के आखिर में मिली लय को भारतीय जोड़ी दूसरे गेम में जारी रखने में सफल रही। उन्होंने 5-2 की बढ़त हासिल करने के बाद नेट पर शानदार नियंत्रण दिखाते हुए ब्रेक के समय 11-6 की बढ़त बना ली। ब्रेक के अल्प विश्राम के बाद भी भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के खिलाड़ियों को कोई मौका नहीं दिया और 17-10 के स्कोर के साथ अपना दबदबा कायम रखा। इसके बाद दोनों जोड़ियों के बीच 48 शॉट की लंबी रैली चली जिसे मार्टिन के कमाल के स्मैश से इंडोनेशिया ने जीता। मार्टिन ने एक और करारा प्रहार किया लेकिन इस बार शटल नेट से टकरा गयी जिससे भारतीय जोड़ी को सात मैच अंक मिले और उन्होंने वीडियो रेफरल की मदद से पहले प्रयास में ही इसे भुनाने में कोई गलती नहीं की।

चीन मास्टर्स बैडमिंटनः कारनांडो और मार्टिन को दी मात

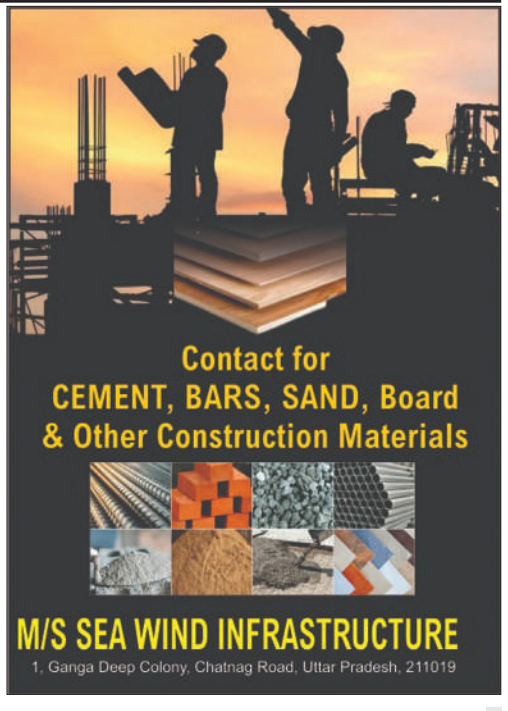

वाह रे सरकारी तंत्र! शहीद का ख्याल भी नहीं रखा

» मंत्री के कारण डेढ़ घंटे तक रुकी रही पैरा ट्रूपर सचिन लौर की अंत्येष्टि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। राजौरी जिले में 22 नवंबर को आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले पैरा ट्रूपर सचिन लौर का पार्थिव शरीर 24 नवंबर देर शाम उनके गांव नगरिया गौरौला पहुंचा। परिजनों के अंतिम दर्शन करने के बाद उसे अंत्येष्टि के लिए गांव के शमशान घाट पर ले जाया गया। इसी बीच अलीगढ़ जिले के प्रभारी एवं गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के पहुंचने की सूचना आई और उनके पहुंचने तक करीब डेढ़ घंटा अंत्येष्टि रुकी रही।

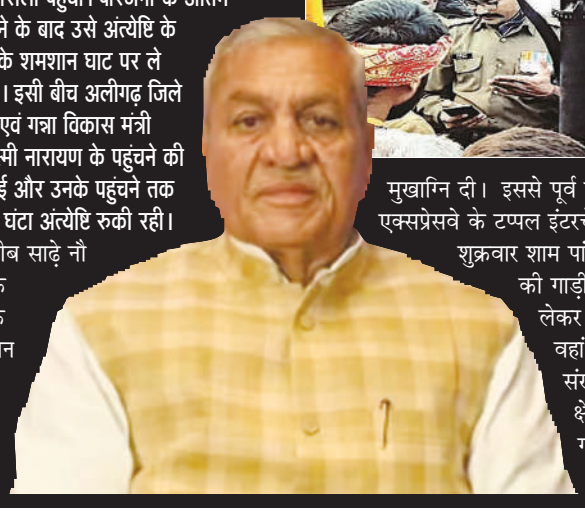

करीब साढ़े नौ बजे उनके पहुंचने के बाद सचिन के बड़े भाई विवेक लौर ने मुखाग्नि दी। इससे पूर्व यमुना एक्सप्रेसवे के टप्पल इंटरचेंज पर शुक्रवार शाम पांच सेना की गाड़ी शव लेकर पहुंची। वहां बड़ी संख्या में क्षेत्र और गांव के युवक सचिन के पार्थिव शरीर को तिरंगा यात्रा के साथ लेकर गांव की ओर बढ़े। रास्ते में भारत माता की जय, बलिदानी सचिन अमर रहे के नारे लगते रहे। शवयात्रा जट्टारी के मुख्य बाजार पहुंची तो व्यापारियों, क्षेत्रीय लोगों व आसपास के लोगों की भीड़ सड़क के दोनों ओर खड़ी थी और शवयात्रा पर पुष्प वर्षा की। शाम सात बजे शव सचिन के पैतृक गांव नगरिया गौरौला पहुंचा तो वहां हजारों की संख्या में क्षेत्रीय व गांव के महिला-पुरुष उमड़ पड़े। गांव नगरिया गौरौला निवासी सचिन लौर पुत्र रमेश (24) वर्ष 2019 में सेना में भर्ती हुए थे। फिलहाल वह भारतीय सेना की विशेष यूनिट नौ में पैरा ट्रूपर के पद पर तैनात थे। बीते 22 नवंबर को राजौरी जिले के कालाकोट स्थित बाजीमाल इलाके में आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में सचिन बलिदान हो गए।

शहीद पैरा ट्रूपरसचिन लौर

कैप्टन शुभम की मां बोलीं- प्रदर्शनी मत लगाओ भाई

राजौरी में शहीद हुए कैप्टन शुभम गुप्ता को राज्य सरकार ने 50 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की थी। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. जीएस धर्मेश शहीद कैप्टन की मां और पिता को 50 लाख रुपये का चेक सौंपने पहुंचे। चेक देने के दौरान फोटो खिंचाने पर शुभम की बिलखती हुई मां ने मंत्री से कहा कि मेरे लिए प्रदर्शनी मत लगाओ। मेरे बेटू शुभम को बुला दो। मां के ये शब्द सुनकर मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय भी निशब्द रह गए। उच्च शिक्षा मंत्री अपने साथ कैमरामैन और मीडिया को लेकर पहुंचे थे। बेटे के गम में डूबी मां को खड़ा कराकर उन्होंने फोटो सेशन कराया।

फोटो: 4पीएम

मांग 69000 और 6800 शिक्षक भर्ती में नियुक्ति से वंचित अभ्यर्थियों ने भाजपा कार्यालय में घुसकर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने इसके माध्यम से यह मांग उठाई की जल्द से जल्द शिक्षक भर्ती की संशोधित सूची जारी की जाए और उन्हें नियुक्ति दी जाए। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने पकड़कर बस से ईको गार्डन पहुंचा दिया।

मैनुअल खुदाई से टनल से निकाले जाएंगे श्रमिक

» मशीन का एक हिस्सा टूटा बचाव कार्य जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तरकाशी की सिल्क्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए अब मैनुअल ड्रिलिंग यानी हाथ से खुदाई की जाएगी। जो पाइपलाइन मजदूरों को बाहर निकालने के लिए डाली जा रही है, उसके अंदर से ऑगर मशीन को हटाना होगा। इसी ऑगर मशीन से खुदाई हो रही थी, और पाइपलाइन को आगे बढ़ाया जा रहा था। लेकिन ये प्लान काम नहीं कर रहा है, इसलिए दूसरे प्लान के तहत वर्टिकल ड्रिलिंग भी शुरू कर दी गई है।

मजदूरों के रेस्क्यू में अभी काफी समय लग सकता है। रेस्क्यू ऑपरेशन से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया है कि जिस ऑगर मशीन से ड्रिलिंग हो रही थी उसका शाफ्ट टूट गया है। शाफ्ट को जब बाहर निकल रहे थे तो 15 मीटर का एक हिस्सा बाहर आ गया है, वहीं करीब 32 मीटर का हिस्सा अंदर फंस गया है।

तीन मजदूरों की तबीयत बिगड़ी

टनल के अंदर तीन मजदूरों की तबीयत बिगड़ी, डॉक्टर ने पाइप के जरिए जरूरी दवाएं दी, तीन मजदूरों को सिरदर्द उल्टी और सीने में दर्द की शिकायत की। कुछ मजदूरों ने खाना खाना छोड़ा, सुबह से मजदूरों ने खाना नहीं खाया, मजदूरों को टेंशन हो रही है, परिजनों से बातचीत में मजदूर भावुक हो गए, तत्काल तीन मनोचिकित्सक मौके पर भेजे गए जो अब मजदूरों से बात करेंगे।

उच्चस्तर पर राजनीतिक हस्तक्षेप करें: तिवारी

कतर में आठ सेवानिवृत्त भारतीय नौसेना कर्मियों को मौत की सजा का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने शनिवार को आठ सेवानिवृत्त भारतीय नौसेना कर्मियों को मौत की सजा पर कतर के न्यायशास्त्र या न्याय देने की प्रणाली पर कड़ी आलोचना की और इसे मनमाना और मनमौजी बताया। पूर्व केंद्रीय मंत्री तिवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा,इन 8 सम्मानित नौसेना कर्मियों पर कंगारू परीक्षण किया जा रहा है।

राज्यसभा सांसद ने अपने पोस्ट में कहा, इस मामले में इन 8 लोगों को वापस लाने के लिए उच्चतम स्तर पर राजनीतिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है, एक मनमानी और मनमौजी न्याय प्रणाली पर भरोसा करना सबसे अच्छा विचार नहीं हो सकता है। आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मी दोहा स्थित निजी रक्षा सेवा प्रदाता, दहरा ग्लोबल के कर्मचारी थे। कांग्रेस नेता ने कतर में पूर्व नौसैनिकों की मौज की सजा पर उठाए सवालपूर्व नौसेना अधिकारियों की सजा में विवाद के छह बिंदुओं की ओर इशारा करते हुए, कांग्रेस नेता ने अपने ट्वीट में कहा, आधी रात को की गई गिरफ्तारियां अवैध थीं। 12 महीने तक एकान्त कारावास अवैध था। क्रूर यातना के तहत दबाव डालकर स्वीकारोक्ति प्राप्त की गई है। कोई भी आरोप सार्वजनिक नहीं किया गया है। प्रथम दृष्टया न्यायालय के फैसले को सार्वजनिक नहीं किया गया है। मुझे सूचित किया गया है कि यहां तक कि परिवार के सदस्यों को भी दोहा की यात्रा करने और बचाव पक्ष के वकील के साथ एक गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा जा रहा है ताकि फैसले को देखा/पढ़ा जा सके।यह कैसी न्याय व्यवस्था है?- मनीष तिवारी ने कहा यह कैसी न्याय व्यवस्था है? उन्होंने सवाल करते हुए आगे कहा कि जब निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने की बात आती है तो कतरी प्रणाली पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। उन्हें कथित जासूसी के आरोप में अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था।

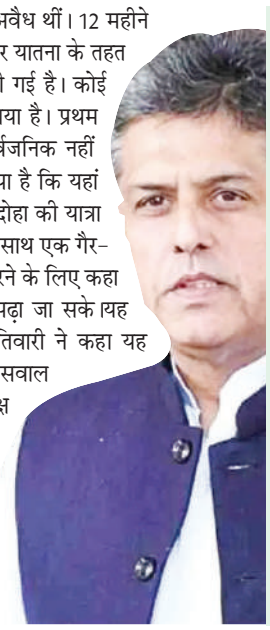

भारत का फैसला चौंकाने वाला

भारत ने फैसले को बेहद चौंकाने वाला बताया और इस मामले पर कतर के साथ जुड़ने के लिए सभी राजनयिक चैनलों को तैनात किया। मामले से परिचित सूत्रों ने बताया कि इससे पहले शुक्रवार को कतर की अदालत ने आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों को मौत की सजा पर अपील दस्तावेज स्वीकार कर लिया था। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 9 नवंबर को कहा कि फैसला गोपनीय बना हुआ है, और कहा कि मामले में एक अपील दायर की गई थी। विदेश मंत्रालय ने मामले की संवेदनशील प्रकृति के कारण सभी से अटकलों में शामिल होने से बचने का भी आग्रह किया, और कहा कि भारतीय दूतावास को 7 नवंबर को एक और कांसुलर पहुंच प्राप्त हुई। इससे पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी आठ नौसैनिकों के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें पूर्ण सरकारी सहायता का आश्वासन दिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।